කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2022

2024 ඔක්තෝබර් / නොවැම්බර්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දි - HIND 18224

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි | කාලය : පැය 03 යි

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से **किसी एक** पर एक निबंध हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

(क) मेरी छोटी बहन बहुत नटखट है

(ख) मेरी माँ बहुत अच्छी है

(ग) मेरा सबसे प्रिय चरित्र

02. (क) निम्नलिखित गद्यांश का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

एक था जंगल। उस जंगल में एक शेर भोजन करके आराम कर रहा था। इतने में एक मक्खी उड़ती–उड़ती वहाँ आ पहुँची। शेर ने दो–तीन दिनों से स्नान नहीं किया था। इसलिए मक्खी शेर के कान के एकदम पास भिन–भिन–भिन करने लगी। शेर को बहुत मुश्किल से नींद आयी थी। उसने पंजा उठाया। मक्खी उड़ गयी। लेकिन फिर से शेर के कान के पास भिन–भिन शुरू हो गयी।

(ख) निम्नलिखित संवाद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

නිශාන් - දයාල්, good morning ඔයා කොහෙද යන්නෙ?
දයාල් - Good morning මම මේ දවස්වල Kelaniya University එකේ External Degree එකක් කරනවා, ඒකට class යන ගමන් ඉන්නෙ.
නිශාන් - Degree එකක් කරනවා? ගොඩක් හොඳයි. ඒත් ඒකට class යන්න ඕනෙ නෑ, ඇයි ඔයා දන්නෙ නැද්ද? දැන් විශ්වවිද්‍යාලෙ ගුරුවරු online උගන්වනවනෙ. ඒ ගොල්ලො තමන්ගෙ පාඩම record කරලා CDCE එකේ website එකට upload කරනවනෙ.
දයාල් - ඇත්තද? මම දැනගෙන හිටියෙ නෑනෙ. හොඳයි ඔයා කිව්ව එක මම website එකට ගිහින් බලන්නම් ඔයාට ගොඩක් ස්තුතියි.
නිශාන් - take it easy මං යන්නං bye.
දයාල් - ok bye මං හෙට ඔයාට කෝල් කරන්නං.

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए। (10 अंक)

किसी तालाब में एक बातूनी कछुआ रहता था। उसी तालाब के किनारे दो हंस भी रहते थे। वे तीनों आपस में मित्र थे। एक बार गरमी के मौसम में तालाब का पानी सूखने के कारण हंस दूसरे तालाब पर उड़कर जाने के लिए तैयार हो गये। कछुआ भी तैयार था, लेकिन उसे ले जाने की समस्या थी। कछुए ने उपाय बताया कि दोनों हंस अपनी चोंच में एक लकड़ी के सिरों को पकड़ लेंगे और वह उस लकड़ी को अपने मुँह से पकड़ लेगा, जिससे तीनों मित्र एक साथ एक ही तालाब पर रहेंगे। हंसों ने कहा कि उपाय तो अच्छा है, लेकिन बातूनी होने के कारण तुम रास्ते में बात न करने लगना नहीं तो तुम नीचे गिरकर मर जाओगे। कछुए ने कहा कि वह मूर्ख नहीं है वह अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी क्यों मारेगा? योजनानुसार वे उड़ गये। रास्ते में कुछ लोगों की बात सुनकर कछुआ बोल पड़ा और नीचे गिरकर अपनी जान खो बैठा।

(क) तालाब में कौन सा कछुआ रहता था?

(ख) दूसरे तालाब में जाने की समस्या किसको थी?

(ग) तालाब क्यों सूखने लगा?

(घ) दूसरे तालाब में जाने के लिए कछुए का क्या उपाय था?

(ङ) अंत में कछुए को क्या हुआ?

04. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। (15 अंक)

वह आता
दो टूक कलेजे को करता, पछताता
पथ पर आता।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को – भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओठ जब जाते
दाता–भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते

05. (क) सब्जियों की दुकान में दुकानदार और खरीदनेवाले के बीच होनेवाले संवाद का निर्माण कीजिए। (15 अंक)

अथवा

(ख) पठित किसी कहानी का कथा सारांश अपनी हिंदी में लिखिए।

****